रणजीत टाइम्स

इंदौर

गुरुवार , 18 सितम्बर , 2025

वर्ष 01 | अंक 233 | कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

आयशर वाहन से पशु आहार के पीछे छुपा कर ले जायी जा रही थी 504 अवैध विदेशी शराब के पेटियां

आदित्य शर्मा

इंदौर जिले में आबकारी विभाग के द्वारा चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत आबकारी विभाग की अवैध मदिरा परिवहन के विरुद्ध कार्यवाही लगातार जारी

इंदौर। दिनांक 17.09.2025 को इंदौर कलेक्टर श्रीमान शिवम बर्मा के मार्गदर्शन व सहायक आबकारी आयुक्त जिला इंदौर *श्री अभिषेक तिवारी के आदेशानुसार तथा नियंत्रण कक्ष प्रभारी देवेश चतुर्वेदी डिप्टी कंट्रोलर मनोज अग्रवाल ,सहायक जिला आबकारी अधिकारी अनिल माथुर व कमलेश सोलंकी के नेतृत्व में अवैध मदिरा से भरा हुआ आयशर वाहन को पकड़ा गया। आबकारी उपनिरीक्षक मनीष राठौर को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक आयशर वाहन अवैध मदिरा लेकर ग्राम मेहतवाड़ा पर खड़ा है जिसमे पशु आहार के बोरों के पीछे छुपा कर अवैध शराब भरी है। सहायक आबकारी आयुक्त जिला इंदौर अभिषेक तिवारी द्वारा तत्काल सहायक जिला आबकारी अधिकारी देवेश चतुर्वेदी के नेतृत्व में टीम गठित की गई । गठित टीम तुरंत बताये मौके पर पहुंचकर कार्यवाही की गई तो आयशर वाहन क्रमांक mp13 gb 3203 से अवैध रूप से परिवहन हेतु खड़ी थी उक्त वाहन में विधिवत तलाशी में 204 पेटी माउंट–6000 कैन बियर 300 पेटी गोआ व्हिस्की कुल 504 पेटी मदिरा जप्त कर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध म.प्र. आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(1)(क) एवं 34(2) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया।

उक्त कार्यवाही आवकारी उप निरीक्षक मनीष राठौर द्वारा नवीन विधान हेतु निर्धारित प्रक्रिया के माध्यम से वीडियो आदि बनाकर की गई।

जप्त मदिरा एवं वाहन की कुल अनुमानित क़ीमत लगभग रुपये 40,00,000/- है

उक्त कार्यवाही सहायक जिला आबकारी अधिकारी देवेश चतुर्वेदी अनिल माथुर ,मनोज अग्रवाल कमलेश सोलंकी ,आबकारी उप निरीक्षक मनीष राठौर आरक्षक सावन सिसोदिया, रविंद्र बघेल,नितिन सोनी,विजय सोलंकी,विक्रम यादव, वीरेंद्र पटेल की टीम द्वारा की गई।

अखिल भारत हिंदू महासभा ने सौपा डॉ संगीता कौशल को महिला प्रदेश अध्यक्ष जा पदभार

अखिल भारत हिंदू महासभा को मजबूती प्रदान करने के लिए और संगठन को मजबूत करने के लिए संगठन के राष्ट्रीय महासचिव आदरणीय देवेंद्र जी पांडे राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष प्रीति राय राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री दिनेश सुगंधी जी प्रदेश अध्यक्ष रोहित दुबे प्रदेश महामंत्री विनोद जोशी प्रदेश संगठन मंत्री लालजी शर्मा जी की सहमति से प्रदेश अध्यक्ष रोहित दुबे अनुशंसा पर 24/8/2025 से 2 वर्ष के लिए अखिल भारत महासभा महिला आप द्वारा पूरे प्रदेश का विस्तार विस्तार करने हेतु चयन किया गया है संगठन के सभी पदाधिकारी ने डॉक्टर संगीता कौशल को प्रदेश अध्यक्ष बनने पर बहुत-बहुत बधाई भी दी एवं संगठन के सभी पदाधिकारीयों का डॉक्टर संगीता कौशल ने आभार भी व्यक्ति।

त्योहारों को देखते हुए खाद्य विभाग ने कसी कमर

संजय प्रेम जोशी

हाटपीपल्या। आगामी नवरात्रि दशहरा दीपावली पर्व की शुरुआत होना है ऐसे में आम जनमानस को शुद्ध और क्वालिटी वाला समान मिले इसी को मध्य नजर रखते हुए कार्यपाली मजिस्ट्रेट नीरज प्रजापति सहायक आपूर्ति अधिकारी अभिषेक मोर एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारी कैलाश वास्कल के संयुक्त तत्वाधान में नगर चापड़ा में प्रतिष्ठित होटल एवं रेस्टोरेंट पर निरीक्षण कर खाद्य सामग्री एवं एक्सपायरी डेट के पेय पदार्थ मावाएवं खाद्य सामग्री के सैंपल लिए गए मौके पर

ही एक्सपायरी डेट के पर पदार्थ एवं खाद्य पदार्थों का पाया जाने पर मौके पर ही उनका विनाशीकरण किया गया होटल ऑन से प्राप्त पर पदार्थ जिसमें mazza 600ml - 216 नग कीमत 9072, 240 रसगुल्ला 4 pkd लगभग 68 किलो कीमत 6000 हजार रुपए थम्स अप 600ml - 24 नग कीमत 960 रुपये विनष्टीकरण किए गए सामग्री की कुल कीमत 16032 रूपये कुछ रेस्टोरेंट से घरेलू गैस सिलेंडर भी जब तक किए गएसंयुक्त कार्रवाई से चापड़ा चौपाटी पर हड़कंप मच गया नगर में इस बात को लेकर चर्चा होने लगी कि प्रशासन द्वारा जो कार्रवाई की गई है वह स्वागत योग्य है कुछ लोगों का कहना था यह कार्रवाई त्योहार पर ही क्यों होती है पूरे साल ही यह कार्रवाई चलना चाहिए इस बारे में जब अधिकारियों से बात की गई तो उन्होंने कहा है कि हम निरंतर यह कार्रवाई करते रहते हैं शासन प्रशासन की मंशा यह है की आम नागरिक को शुद्ध एवं क्वालिटी का पेय पदार्थ और खाद्य पदार्थ मिले एवं उचित कीमत पर मिले।

"विकास" की चकाचौंध में दबी आवाज़ें

ग्रीन फील्ड रोड का विरोध क्यों जरूरी है?

आज जब देश को "विकासशील" से "विकसित" बनाने की होड़ लगी है, तब ग्रीन फील्ड रोड जैसे प्रोजेक्ट्स को विकास का प्रतीक बताया जा रहा है। लेकिन इस चमचमाती सड़क के नीचे क्या आप उस किसान की चीख सुन सकते हैं जिसकी जमीन छीनी जा रही है? क्या आप उस आदिवासी की पीड़ा महसूस कर सकते हैं जिसे अपनी ही जड़ों से उखाड़कर फेंका जा रहा है? ग्रीन फील्ड रोड सिर्फ एक सड़क नहीं, यह एक खतरनाक मिसाल है – जहां *जनता की सहमति के बिना, **प्राकृतिक संसाधनों की बेशर्म लूट*और *स्थानीय संस्कृति का विनाश किया जा रहा है।

1. जबरन भूमि अधिग्रहणः क्या यही लोकतंत्र है?

सरकार और कंपनियों की मिलीभगत से हजारों एकड़ उपजाऊ कृषि भूमि छीनी जा रही है। किसानों से कहा जा रहा है कि यह "राष्ट्रीय हित" में है, लेकिन क्या कोई भी विकास लोगों की कीमत पर हो सकता है? जिन हाथों ने देश को अन्न दिया, उन्हीं हाथों से उनकी जमीन छीनी जा रही है – यह कैसा न्याय है?

2. पर्यावरण की बलि चढ़ती "प्रगति"

ग्रीन फील्ड रोड के लिए हजारों पेड़ काटे जा रहे हैं, जंगल साफ किए जा रहे हैं, और वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास नष्ट किए जा रहे हैं। क्या यही वह "हरित भविष्य" है जिसकी बातें स्कूलों में सिखाई जाती हैं? पर्यावरणविद् चेतावनी दे चुके हैं कि यह सड़क पारिस्थितिकी तंत्र को स्थायी नुकसान पहुंचाएगी, लेकिन सरकारें इन चेतावनियों को "विकास-विरोधी" कहकर खारिज कर देती हैं।

3. आदिवासी और ग्रामीण समुदायों का विस्थापन इस सड़क का सबसे क्रूर असर उन समुदायों पर है जो सदियों से जंगलों और जमीनों पर निर्भर हैं। न कोई पुनर्वास नीति, न रोजगार का वादा – बस एक बुलडोज़र आता है और सब कुछ मिटा देता है। क्या यह सड़क आदिवासियों के सपनों पर दौड़ेगी? क्या उनके आँसुओं से इसका डामर तैयार किया जाएगा?

4. कॉर्पोरेट मुनाफा बनाम जनहित

इस प्रोजेक्ट से जिन कंपनियों को फायदा होगा, वे पहले से ही अरबों की मालकिन हैं। लेकिन जिन लोगों का नुकसान होगा, उनके पास आवाज़ तक नहीं है। यह सड़क गरीब की जेब काटकर अमीर की तिजोरी भरने का माध्यम बन चुकी है। क्या यही है "नया भारत"? जहाँ कॉर्पोरेट की मुनाफाखोरी को "विकास" कहा जाता है?

हमारी मांगें स्पष्ट हैं

1. तत्काल भूमि अधिग्रहण रोका जाए।

2. जन-सुनवाई और जन-सहमति के बिना कोई निर्माण कार्य न हो।

3.पर्यावरण प्रभाव आकलन (EIA) पारदर्शी तरीके से हो।

4. स्थानीय लोगों को मुआवज़ा नहीं, विकल्प और अधिकार दिए जाएं।

5.ग्रीन फील्ड रोड जैसे प्रोजेक्ट्स को पुनः विचारार्थ लाया जाए।

अंतिम शब्दः चुप रहना अब गुनाह है

अगर आज हमने आवाज नहीं उठाई, तो कल हमारी जमीन, हमारा जंगल, हमारी पहचान – सबकुछ खत्म हो जाएगा। ग्रीन फील्ड रोड विकास नहीं, विनाश का रास्ता है। अब समय है सवाल पूछने का। समय है सड़कों पर उतरने का। समय है यह कहने का कि – 'हम विकास के नाम पर विनाश नहीं स्वीकार करेंगे!'

ग्रीनफील्ड_रोड_विरोध जन_आंदोलन_जिंदाबाद

यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्म दिवस पर सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत फल वितरण रक्तदान शिविर व स्वच्छता अभियान की शुरुआत हुई

हाटपीपल्या। नगर मंडल भाजपा हाटपीपल्या द्वारा यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्म दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत मोदी जी के जन्म दिन के अवसर पर शासकीय अस्पताल मे मोदी जी के आयोजन को सुना गया व फल वितरण किये गये व रक्तदान शिविर आयोजित कर भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा रक्त दिया गया वहीं भगत सिंह चौराहा पर भगत सिंह जी की प्रतिमा को पानी से धुलवाकर माल्यार्पण किया गया व प्रतिमा स्थल के आसपास व चौराहा पर झाड़ू लगाकर स्वच्छता अभियान की शुरुआत की गई इस अवसर पर शासकीय अस्पताल के स्वास्थ्य अधिकारी डां रिशी श्रीवास्तव व डां महिपाल राणा व उनकी टीम विशेष रूप से शासकीय अस्पताल वाले आयोजन में उपस्थित थी जिला मंत्री प्रतिनिधि देवकरण पाटीदार मंडल अध्यक्ष राजेंद्र सिंह सैधव अध्यक्ष प्रतिनिधि अरुण राठौर पूर्व मंडल अध्यक्ष विजय सिंह शक्तावत कृपाल सिंह सैधव भुजराम जाट महेंद्र यादव निर्भय सिंह तलाया मंडल महामंत्री रमेश संदूकलिया प्रवीण सक्सेना विनोद जोशी राहुल तंवर दिपक धौसरिया संदीप मालवीय मंदन बुंदेला राजकिशोर जायसवाल रामसिंह सैधव लखन मेकालिया नितिन तंवर गजराज सिंह सैधव अभिमन्यु सैधव यशवंत चौहान हरीश बंजारा गौरव मेश्रा समेत अनेक भाजपा कार्यकर्ता आयोजनों में उपस्थित थे।

विधायक पिछोर ने स्वच्छता अभियान एवं स्वास्थ्य शिविर में लिया सक्रिय भाग

एसडीएम पिछोर ने किया रक्तदान

जगदीश पाल

पिछोर शिवपुरी। 17 सितम्बर बुधवार को स्वच्छता ही सेवा पखवाडा वर्ष 2025के तहत ''स्वच्छोत्सव'' एवं पोषण माह का जिले में आज से शुभारम्भ किया गया। इस मौके पर पिछोर विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रीतम सिंह लोधी ने आज जनप्रतिनिधियों एवं आम नागरिकों के साथ जनपद पंचायत खनियाधाना के बस स्टैंड तथा ग्राम पंचायत मायापुर एवं बामौरकलाँ में स्वच्छता अभियान के पखवाड़े के अंतर्गत झाड़ू लगाकर कचरा एकत्रित किया और उपस्थित नागरिकों को स्वच्छता का संदेश दिया। इसके उपरांत विधायक लोधी ने स्वस्थ नारी सशक्त परिवार कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित आयुष्मान आरोग्य शिविर, खनियाधाना में रक्तदान कर जनजागरण का संदेश दिया। इस अवसर पर पिछोर एसडीएम ममता शाक्य ने भी खनियाधाना स्वास्थ्य केंद्र में रक्तदान किया।

रणजीत टाइम्स

शस्त्र और शास्त्र कला के साथ चला जागरुकता अभियान

इंदौर लोकसभा पिछड़ा वर्ग कांग्रेस संगठन के अध्यक्ष हिमांशु यादव ने बताया कि इंदौर के मल्हारगंज क्षेत्र में सालभर निःशुल्क शस्त्रकला का

प्रशिक्षण देंने वाली शहर की एकमात्र प्रशिक्षण शाखा शस्त्र शास्त्र यौगिक गुरुकुल (श्रीगुरु बृजलाल उस्ताद की शाखा) है जो पिछले कई सालों से शहर के बच्चे ,युवा एवं प्रमुख रूप से लड़कियों और महिलाओं को शस्त्र विद्या सिखा रहे है यहां पर प्रशिक्षण देने वाले भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री सत्यनारायण सत्तन और स्व नानकचंद यादव के शिष्य युवा अंकित यादव एवं अनुज यादव हैं जो पुलिस सेवा के साथ साथ निःशुल्क शस्त्र कला का प्रशिक्षण आत्मसुरक्षा की दृष्टि से इन्हें दे रहे हिमांशु यादव ने बताया कि इनका लक्ष्य युवाओं को नशे से दूर रखना है साथ ही आज कल के बच्चे जो डिजिटल (मोबाइल) दुनिया की तरफ बड रहे है उन्हें फिजिकल (व्यायाम) दुनिया से जोड़े रखना है ताकि देश का भविष्य शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बने इसके साथ ही अंकित,अनुज द्वारा हाली में तलवारबाजी के वर्ल्ड रिकॉर्ड में मुख्य प्रशिक्षक के रूप में कार्य किया था और महिलाओं द्वारा 5 हजार महिलाओं ने मुख्यमंत्री की मौजूदगी में तलवार चला कर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था इसमें मल्हारगंज से 400 से अधिक महिलाओं ने हिस्सा लिया था इस गुरुकुल में आत्मसुरक्षा,सेल्फ डिफेन्स, गुडटच बेडटच, भी सिखाया जाता है साथ ही इस शाखा को गुरुकुल पद्धति एवं शास्त्र अनुसार संचालित किया जाता हैं आज पिछड़ा वर्ग संगठन द्वारा इनके बीच पहुंच कर सभी को नशे के खिलाफ जागरूक किया।

"श्रृंगार कृष्ण भगवान की 16 कलाओं में से एक विशिष्ट कला है, जो भारतीय संस्कृति का सौंदर्य है - डॉ. भरत शर्मा"

देश भर के विभिन्न प्रदेशों से आए अपनी कला में सिद्धहस्त ब्यूटिशन के लिए उन्नति सिंह और फ़ीनिक्स ग्रुप द्वारा आयोजित नैशनल आर्टिस्ट चैंपियनशिप 2025 का समारोहपूर्वक उद्घाटन इंदौर शहर के फीनिक्स सिटाडेल मॉल में आयोजित किया गया, उक्त अवसर पर बतौर विशेष अतिथि पधारे संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार सदस्य, डॉक्टर भरत शर्मा ने कहा कि हर व्यक्ति के अंदर एक प्रसाधक/प्रसाधिका का विशेष गुण निहित होता है, बिना सौंदर्य की कल्पना कर हम अपने ईश्वर के स्वरूप की व्याख्या भी नहीं कर सकते।यह सौंदर्य की कला ही हमारे व्यक्तित्व को निखारने का काम करती है,और हर व्यक्ति का दायित्व होना चाहिए कि वह इस कला व साधना का उपयोग कर अपने व्यक्तित्व से अवांछित अवगुण और अवसाद को निकाल निश्छल सौंदर्यता से व्यक्तित्व का श्रृंगार कर अपने समाज और राष्ट्र को गौरवान्वित करें।

राष्ट्रीय स्तर के इस कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना व पूजन से की गई और सभी अतिथियों द्वारा ताम्रकलश में भरे पानी से पौधों को जल अर्पण कर नवाचार किया। देश भर से पधारे विशेष अतिथियों का सम्मान आयोजक प्रसिद्ध ब्यूटिशन उन्नत सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विशेष तौर से पधारे देश विदेश के वरिष्ठ ब्यूटिशन के अलावा ब्यूटी एंड वेडनस सेक्टर स्किल काउंसिल इंडिया के सदस्य मोनिका बहल, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी आईएएस स्मिता भारद्वाज, जेल अधीक्षक अलका सोनकर, पुणे से अक्षय पूरे, वरिष्ठ साहित्यकार सीमा जेराजनी, डॉ जाह्नवी, मोनिका भगवागर, सरबजीत अरोड़ा, श्वेता बजाज, कबीर अरोड़ा, निलेश सेन, फ़ीनिक्स मॉल के प्रबंधक व देश के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे ।

क्राइम ब्रांच इन्दौर ने साइबर हैकर्स को पकड़कर किया बड़ा खुलासा

आरोपी ने payjas कंपनी के खाते से 30,56,555/- रुपये की साइबर धोखाधड़ी । आरोपी ने प्रार्थी कुलदीप सिंह कालरा,की "payjas payment India pvt ltd" नामक कंपनी के डायरेक्टर के साथ की 30 लाख रुपये से अधिक की साइबर धोखाधड़ी । कंपनी ऑनलाइन पेमेंट, बिल पेमेंट, रिचार्ज आदि सेवाएं प्रदान करती है । दिनांक 29/03/2025 को कंपनी के एक एप्लाई कोमलचंद कुशवाह, की कंपनी आईडी को किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा किया गया हैक ।

हैकर्स नें कंपनी के एडमिन खाते में अनधिकृत प्रवेश कर 3000000/- रूपये से अधिक राशि खाते में अवैध ट्रांसफर की गई। अवैध राशि से किए गए क्रेडीट काड्र्स में बिल पेमेंट किए गए । हैकर्स ने मार्च व जून मे कंपनी के अकाउंट में किया साइबर धोखाधड़ी। घटना की गंभीरता को देखते हुए क्राइम ब्रांच इंदौर ने किया केस रजिस्टर्ड । आरोपी पूर्व में कंपनी का कर्मचारी था धोखाधड़ी पूर्वक स्वयं सदोष लाभ अर्जित करते हुए व कंपनी को हानि कारित की है । थाना अपराध शाखा पर अपराध क्रमांकः- 123/25 धारा 318(4), 316(4) BNSS एवं संबंधित साइबर अपराध धाराओं के तहत FIR दर्ज की गई।

पुलिस कार्यवाहीः- इंदौर कमिश्नरेट में क्राइम ब्रांच इंदौर पुलिस के द्वारा

आर्थिक अपराध के विभिन्न प्रकरणों में आरोपियों की धर पकड़ की कार्यवाही जिले के वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में लगातार की जा रही है इसी अनुक्रम में क्राइम ब्रांच इंदौर ने इंदौर के निवासी फरियादी कुलदीप सिंह कालरा द्वारा की गई शिकायत में अग्रिम कार्यवाही करते फरियादी की शंका को देखते हुए कंपनी के पूर्व कर्मचारी निशांत सोनी पिता दिनेश सोनी निवासी ग्राम करसरा, थाना रेगांव, जिला सतना ,हाल पता -पलाश परिसर ब्लॉक 17 सिलिकॉन सिटी राऊ इंदौर, के संबंध में जांच की गई। आरोपी निशांत सोनी ने ठगी की करने की नियत रखते हुए कंपनी के अकाउंट हेक कर अन्य बैंक खातों में रूपये ट्रांसफर कर दिये । तथा आरोपी ने जिन बैंक खातों में ठगी की रकम को ट्रांसफर किया था उसे ने अपने बैंक खातें ट्रांसफर कर प्राप्त कर लिये।

आगे की पुलिस कार्यवाही - सभी संलिप्त व्यक्तियों और बैंक खातों की जांच जारी है।

संपादकीय

मणिपुर में विकास और शांति की एक नई भोर

मई 2023 में मणिपुर हाईकोर्ट के एक फैसले के बाद मैतेयी और कुकी समुदायों के मध्य भड़की हिंसा से अब तक 260 लोग मारे जा चुके हैं तथा 60 हजार से अधिक लोग विस्थापित हो चुके हैं। इस संघर्ष के आरम्भ से ही भारत के सभी विपक्षी दल निरंतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व सरकार पर हमलावर थे, उनका एक ही प्रश्न था कि मोदी जी मणिपुर कब जाएंगे ? मणिपुर को लेकर संसद ठप रखी गई। मणिपुर में महिलाओं पर हिंसा के बाद सुप्रीम कोर्ट ने हस्तक्षेप किया। सुप्रीम कोर्ट के पांच जजों की खंडपीठ ने मणिपुर की स्थिति का जायजा लेने के लिए वहां का दौरा किया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी व अन्य नेतागण अपनी अपनी राजनीति चमकाने के लिए मणिपुर के हालातों को हथियार बनाते रहे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भी कई अवसरों पर मणिपुर पर अपनी चिंता व्यक्त की। विरोधी दलों के भारी दबाव के कारण भाजपा को अपनी ही सरकार हटाकर राष्ट्रपति शासन लागू करना पड़ा। अब प्रधानमंत्री मोदी ने अपने मणिपुर दौरे से सभी को उचित उत्तर दे दिया है किंतु अब विरोधी दलों को इसमें रुचि नहीं रही क्योंकि उनका मणिपुर नैरेटिव फिलहाल समाप्त होता दिख रहा है। जिस समय भारत में मणिपुर हिंसा पर राजनीति चरम पर थी उस समय यूरोपीय संघ की संसद में मणिपुर को लेकर एक प्रस्ताव पारित हुआ था जिसे केंद्र सरकार ने भारत के आंतरिक मामले में हस्तक्षेप बताते हुए खारिज कर दिया था अतः मणिपुर को लेकर कांग्रेस ने जो देश विरोधी वैश्विक नैरेटिव चलाया था वह भी अब ध्वस्त हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुकी बहुल हिंसा से सर्वाधिक प्रभावित चुराचांदपुर के लिए 7,300 करोड़ रुपए से अधिक और मैतेई

बहुल इंफाल के लिए 1,200 करोड़ रुपए की परियोजनाओं की घोषणा करके यह संदेश देने का प्रयास किया कि सरकार ही नहीं अपितु संपूर्ण भारत उनके साथ है। प्रधानमंत्री मोदी ने मणिपुर यात्रा के दौरान हिंसा पीड़ितों से भेंट करते हुए उन्हें सुरक्षा शांति तथा विकास का भरोसा दिया।

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने मणिपुर को भारत की मणि बताते हुए कहा कि मणिपुर में उम्मीद और विश्वास की नई सुबह दस्तक दे रही है। किसी भी स्थान पर विकास के लिए शांति बहुत अनिवार्य है। आपसी संवाद और भरोसे से ही विवाद को समाप्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार मणिपुर के विभिन्न समुदायों के बीच आपसी संवाद, सम्मान और समझौते को महत्व देते हुए शांति की स्थापना के लिए निरंतर प्रयास रही है। प्रधानमंत्री मोदी के दौरे से पूर्व गृह मंत्रालय के लगातार प्रयासों के बाद दोनो समुदायों के बीच तनाव कम करने के काफी प्रयास किये है जिनका प्रभाव दिखाई पड़ने लगा है। लगातार चल रहे संवाद के कारण ही कुकी बहुल क्षेत्र से होकर निकलने वाला एनएच दो हाईवे अब पूरी तरह से खुल गया है और जनता व वस्तुओं की आवाजाही शुरू हो चुकी है। मणिपुर में अभी शांति के लिए कई अहम पड़ाव आने हैं। मैतेयी ओर कुकी समुदाय के बीच कुछ मतभेद अभी भी बरकरार हैं जिनको सुलझाने के प्रयास जारी हैं। इसमें कुकी समुदाय के लोग मणिपुर की छत के नीचे ही अपने लिए एक अलग व्यवस्था की मांग कर रहे हैं फिर भी अब मणिपुर की समस्या का उचित समाधान निकलने की आस जग गई है। प्रधानमंत्री मोदी ने विकास कार्यों के लोकार्पण के बाद एक रैली को संबोधित किया जिसमें लाखों लोगों की भीड़ उमड़ी जो मोदी-मोदी के नारे लगा रही थी। ऐसा प्रतीत हो रहा था कि जनसमुदाय मान चुका है कि प्रधानमंत्री मोदी के आने से मणिपुर में विकास और शांति लाने वाली एक नयी भोर हुई है।

नेपाल की जनक्रांति में कौन जीता और कौन हारा?

गोपाल गावंडे » रणजीत टाइम्स
प्रधान संपादक

दक्षिण एशिया में लोकतंत्र पर जनता का विश्वास कमजोर होना गंभीर और बहुआयामी संकट है। म्यांमा, श्रीलंका और बांग्लादेश के बाद नेपाल में जनता का हिंसक विद्रोह समूचे क्षेत्र के लिए चुनौतियां बढ़ा रहा है। पाकिस्तान में पहले ही सेना का प्रभुत्व ज्यादा दिखता है। दूसरी ओर इस क्षेत्र के देशों की व्यवस्थाएं भ्रष्टाचार, सत्ता का केंद्रीकरण और अवसरवाद से प्रभावित रही हैं। इससे गरीबी और असमानता की खाई गहरी हो रही है। जनता में निराशा बढ़ने से विरोध या हिंसक प्रदर्शन भी जोर पकड़ रहे हैं। इससे दक्षिण एशिया के लिए भू-राजनीतिक चुनौतियां भी बढ़ गई हैं। नेपाल में स्थिरता लाने तथा समूचे दक्षिण एशिया में शांति कायम रखने के लिए भारत की भूमिका बेहद महत्त्वपूर्ण हो जाती है। भारत को पड़ोसी देशों में लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करने, संवैधानिक और चुनावी सुधार में सहयोग देने तथा आर्थिक और विकास परियोजनाओं के माध्यम से नागरिकों की अपेक्षाओं को पूरा करने के प्रयास जारी रखने होंगे।

नेपाल का आधुनिक राजनीतिक इतिहास जनता के निरंतर संघर्ष, आकांक्षाओं और असंतोष की गाथा है। राजतंत्र से लोकतंत्र एवं गणराज्य तक की यात्रा में नेपाली जनता ने बार-बार सड़कों पर उतरकर अपनी आवाज बुलंद की है। जनता ने निरंकुश राजतंत्र को चुनौती देकर करीब ढाई सौ साल पुरानी व्यवस्था को उखाड़ फेंका था और अब जनता ने लोकतंत्र में भ्रष्ट एवं अवसरवादी दलीय राजनीति पर प्रश्न खड़े किए हैं। दरअसल, नेपाल की राजनीतिक धारा अक्सर आंदोलनों और विद्रोह से संचालित होती रही है।

एक बार फिर देश की जनता व्यवस्थाओं में बदलाव के लिए सड़कों पर निकली और उसका असर भी देखने को मिला। लोकतंत्र की मजबूती तीन स्तंभों कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका की पारदर्शिता, जवाबदेही और निष्पक्षता पर निर्भर करती है। नेपाल के घटनाक्रम से यह सबक मिलता है कि यदि ये संस्थाएं भ्रष्टाचार और पक्षपात की चपेट में आती हैं तथा लोकतंत्र केवल औपचारिक ढांचा बनकर रह जाता है, तब अविश्वास से भरी जनता आंदोलन करने पर मजबूर हो जाती है।

नेपाल ने लंबे समय तक राजतंत्र को झेला था और इसीलिए देश में क्रांति तथा विद्रोह के बाद करीब सत्रह वर्ष पहले वहां लोकतंत्र स्थापित हो सका। राजतंत्र के दौरान नेपाल में जनता का जीवन राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक दृष्टि से कठिन था। लोकतांत्रिक व्यवस्था में अपेक्षा की जाती है कि यह व्यापक जन कल्याणकारी होकर सामाजिक न्याय की स्थापना में मददगार बने, प्रशासन में पारदर्शिता हो तथा विकास की प्रक्रिया में सभी नागरिकों को शामिल किया जाए।

नेपाल में ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। अभिजात्य नेताओं के एक समूह ने लोकतांत्रिक व्यवस्था को अपनी गिरफ्त में ले लिया तथा सत्ता को एक छोटे और खास समूह तक केंद्रित कर दिया। इसमें वामपंथी नेताओं का प्रभाव भी था, इसलिए इसे जनवादी तानाशाही से मिलता-जुलता और चीनी व्यवस्था को अपनाने जैसा माना जाने लगा। पिछले एक अरसे से नेपाल की सत्ता तीन नेताओं के इर्द-गिर्द नजर आती है- कम्युनिस्ट पार्टी आफ नेपाल के पुष्प कमल दहल प्रचंड, नेपाली कांग्रेस के शेर बहादुर देउबा और हाल ही में अपने पद से इस्तीफा देने वाले केपी शर्मा ओली। लोकतंत्र में पक्ष और विपक्ष, दो अलग ध्रुव माने जाते है, लेकिन नेपाल में ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। वहां प्रचंड, ओली और नेपाली कांग्रेस में इतने मधुर संबंध है कि कोई भी किसी को समर्थन देकर उन्हें प्रधानमंत्री के पद तक पहुंचा देता है।

नेपाल में लोकतंत्र को चुनावी प्रक्रिया तक सीमित करने से जनता में असंतोष पनपा और यह विकराल रूप में सामने आया। लोकतंत्र से लोगों को उम्मीद थी कि विकास, समानता, सामाजिक न्याय और शासन-प्रशासन में पारदर्शिता सुनिश्चित होगी। मगर, बहुदलीय लोकतंत्र के बावजूद जनता की ये उम्मीदें पूरी नहीं हुईं। राजनीतिक दल भ्रष्टाचार और सत्ता की होड़ में उलझे रहे। जनजीवन में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ। नतीजतन, लोकतंत्र पर से जनता का विश्वास डगमगाने लगा। नेपाल में युवाओं का आंदोलन केवल असंतोष का

प्रतीक नहीं, बल्कि शासन, विकास और लोकतांत्रिक संस्थाओं की विफलता पर सवाल खड़ा करता है। नेपाल की लगभग आधी आबादी युवा है, मगर पर्याप्त रोजगार अवसरों का अभाव है। लाखों युवा भारत और अन्य देशों में पलायन करने को मजबूर हो गए हैं।

नेपाल में वर्ष 2015 में नया संविधान लागू होने के बावजूद मधेसी, जनजातीय और दलित समुदाय के युवाओं को प्रतिनिधित्व तथा समानता के अवसर नहीं मिल पाए। संघीय ढांचा अपेक्षित स्तर पर सेवाएं और न्याय नहीं दे पाया। शिक्षा और अवसरों की असमानता भी युवाओं के आक्रोश का कारण बनी। इससे यह धारणा बनी कि नया संविधान भी उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने में विफल रहा है। ऐसे में युवाओं का सड़कों पर उतरना अस्थिरता, बेरोजगारी, सामाजिक असमानता और कमजोर लोकतांत्रिक संस्थाओं की देन है। राजतंत्र का वास्तविक विकल्प सहभागी लोकतंत्र है। सहभागी लोकतंत्र में जनता शासन और नीतिगत निर्णयों की हर प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार होती है।

नेपाल के अपदस्थ प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की राजनीति में कई ऐसे पहलू दिखते हैं, जिनसे यह कहा जाने लगा कि उन्होंने चीन की एकदलीय शासन प्रणाली की शैली अपनाकर जनता और संवैधानिक संस्थाओं पर दबाव बनाने का प्रयास किया। ओली ने प्रधानमंत्री रहते हुए सत्ता अपने हाथों में केंद्रित करने की कोशिश की। संसद को दरकिनार करना, संवैधानिक संस्थाओं पर प्रभाव जमाना और विपक्ष को कमजोर करना उनकी रणनीति का हिस्सा रहा। यह चीन की कम्युनिस्ट पार्टी जैसी केंद्रीकृत व्यवस्था से मेल खाता है।

उन्होंने संगठन पर पकड़ मजबूत कर एक व्यक्ति-प्रधान नेतृत्व स्थापित करने की कोशिश की। ओली सरकार के दौर में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और मीडिया की आलोचना को लेकर कई सवाल उठे। ओली की राजनीति में लोकतांत्रिक सहमति और संस्थागत संतुलन से ज्यादा सत्ता केंद्रीकरण और असहमति-दमन की प्रवृत्ति दिखी, जिससे लोगों में हताशा बढ़ी और वे व्यवस्था के खिलाफ हो गए।

नेपाल में एक बड़ी समस्या राजनीतिक अस्थिरता की रही है। वहां लोकतंत्र आने के बाद से गठबंधन सरकारों का दौर शुरू हुआ, जो निरंतर जारी रहा। सरकारें बार-बार गिरती रहीं और इससे विकृतियां उत्पन्न हो गईं। सत्ता संघर्ष और अवसरवादिता ने लोकतंत्र की विश्वसनीयता को गहरा आघात पहुंचाया है। देश के प्रमुख राजनीतिक नेता विचारधारा या जनहित को दरकिनार करते रहे और व्यक्तिगत लाभ तथा सत्ता-साझेदारी पर केंद्रित हो गए।

नेतृत्व पर गिने-चुने वरिष्ठ नेताओं का वर्चस्व कायम हो गया और युवा या नई पीढ़ी के नेताओं को उभरने का अवसर नहीं मिल पाया। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों पर ठोस नीतियां बनाने पर ध्यान नहीं दिया गया। लोगों का गुस्सा व्यवस्थाओं पर से भरोसा टूटने के कारण उभर कर सामने आया और इसमें न्यायपालिका पर अविश्वास ने आग में घी का काम किया है।

दक्षिण एशिया में लोकतंत्र पर जनता का विश्वास कमजोर होना गंभीर और बहुआयामी संकट है। म्यांमा, श्रीलंका और बांग्लादेश के बाद नेपाल में जनता का हिंसक विद्रोह समूचे क्षेत्र के लिए चुनौतियां बढ़ा रहा है। पाकिस्तान में पहले ही सेना का प्रभुत्व ज्यादा दिखता है। दूसरी ओर इस क्षेत्र के देशों की व्यवस्थाएं भ्रष्टाचार, सत्ता का केंद्रीकरण और अवसरवाद से प्रभावित रही हैं। इससे गरीबी और असमानता की खाई गहरी हो रही है। जनता में निराशा बढ़ने से विरोध या हिंसक प्रदर्शन भी जोर पकड़ रहे हैं। इससे दक्षिण एशिया के लिए भू-राजनीतिक चुनौतियां भी बढ़ गई हैं।

नेपाल में स्थिरता लाने तथा समूचे दक्षिण एशिया में शांति कायम रखने के लिए भारत की भूमिका बेहद महत्त्वपूर्ण हो जाती है। भारत को पड़ोसी देशों में लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करने, संवैधानिक और चुनावी सुधार में सहयोग देने तथा आर्थिक और विकास परियोजनाओं के माध्यम से नागरिकों की अपेक्षाओं को पूरा करने के प्रयास जारी रखने होंगे। सीमा सुरक्षा और कूटनीतिक संतुलन बनाए रखने के लिए यह आवश्यक है कि भारत पर पड़ोसी देशों की जनता का भरोसा बनाए रखा जाए और कूटनीतिक संबंधों को मजबूत करने के प्रयास किए जाएं। इस तरह भारत क्षेत्रीय स्थिरता सुनिश्चित करते हुए अपने रणनीतिक और आर्थिक हितों की रक्षा कर सकता है।

इलेक्ट्रॉनिक्स ने 1 लाख के बना दिए 38 लाख

अब 712 करोड़ रुपये के मिले नए ऑर्डर

10 साल में 3 बार बोनस शेयर का तोहफा

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयर बुधवार को 3 पर्सेंट से अधिक के उछाल के साथ 416.60 रुपये पर पहुंच गए हैं। एयरोस्पेस एंड डिफेंस इंडस्ट्री से जुड़ी कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स ने उन लॉन्ग टर्म निवेशकों को मालामाल कर दिया है, जिन्होंने कंपनी के कारोबार पर भरोसा रखते हुए 10 साल पहले शेयरों पर दांव लगाया था। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयरों ने 10 साल में 1 लाख रुपये के निवेश को 38 लाख रुपये से ज्यादा बना दिया है। डिफेंस कंपनी के शेयरों ने यह कमाल बोनस शेयरों के दम पर दिखाया है। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स ने पिछले 10 साल में अपने निवेशकों को 3 बार बोनस शेयर का तोहफा दिया है।

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयर 24 सितंबर 2015 को 35.45 रुपये पर थे। अगर किसी व्यक्ति ने 24 सितंबर 2015 को भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयरों में 1 लाख रुपये लगाए होते तो उसे कंपनी के 2820 शेयर मिलते। नवरत्न कंपनी ने पिछले 10 साल में अपने शेयरधारकों को 3 बार बोनस शेयर का तोहफा दिया है। हालांकि, हमने अपने कैलकुलेशन में कंपनी की तरफ से दिए गए 2 पिछले बोनस शेयरों को शामिल किया है। अगर कंपनी की तरफ से दिए गए पिछले 2 बोनस शेयरों को जोड़ लें तो कुल शेयरों की संख्या बढ़कर 9306 पहुंच जाती है। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर बुधवार 17 सितंबर 2025 को 416.60 रुपये पर पहुंच गए हैं। इस हिसाब से 9306 शेयरों की मौजूदा वैल्यू 38.76 लाख रुपये है। नवरत्न कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने पिछले 10 साल में अपने शेयरधारकों को 3 बार बोनस शेयर का तोहफा दिया है। कंपनी ने सितंबर 2015 में 2:1 के अनुपात में बोनस शेयर दिए। यानी, कंपनी ने हर 1 शेयर पर 2 बोनस शेयर बांटे। मल्टीबैगर कंपनी ने सितंबर 2017 में 1:10 के रेशियो में बोनस शेयर दिए।

कंपनी को मिले 712 करोड़ रुपये के ऑर्डर

नवरत्न कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने घोषणा की है कि 1 सितंबर 2025 को पिछले डिसक्लोजर के बाद से उसे 712 करोड़ रुपये के नए ऑर्डर मिले हैं। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स ने रेगुलेटरी फाइलिंग में कन्फर्म किया है कि नए ऑर्डर टेक्नोलॉजी और डिफेंस से जुड़े प्रोजेक्ट्स के लिए मिले हैं।

वॉलमार्ट फाउंडेशन के सहयोग से एएसए ने मप्र में 35,000

किसानों को सशक्त बनाने की पहल का अगला चरण शुरू किया

भोपाल, एजेंसी। एक्शन फॉर सोशल एडवांसमेंट (एएसए) ने वॉलमार्ट फाउंडेशन के सहयोग से मध्य प्रदेश में 35,000 छोटे किसानों के उत्थान के लिए अपनी चल रही पहल के दूसरे चरण की परियोजना शुरू की है, जिसमें आदिवासी समुदायों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इस परियोजना का उद्देश्य कृषि मूल्य श्रृंखलाओं को मजबूत करना, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन में सुधार करना और दीर्घकालिक आर्थिक विकास के लिए सामुदायिक संस्थानों का निर्माण करना है। परियोजना पर टिप्पणी करते हुए, एएसए की निदेशक जी. जयंती ने कहा- हमारी पहल ग्रामीण आजीविका में बदलाव लाने में सहयोग की शक्ति का प्रमाण है। स्थायी प्रथाओं और बाज़ार पहुँच के साथ किसानों को सशक्त बनाकर, हम न केवल आज के जीवन को बेहतर बना रहे हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए अवसर भी पैदा कर रहे हैं। पर्यावरणीय प्रभाव सलाहकार, निशांत गुप्ता ने कहा, एएसए को हमारा समर्थन स्थायी कृषि और समावेशी ग्रामीण विकास को आगे बढ़ाने पर साझा ध्यान को दर्शाता है। एफपीओ को मज़बूत करके और बाज़ार पहुँच में सुधार करके, यह पहल छोटे किसानों–विशेषकर महिलाओं–को अधिक लचीली आजीविका बनाने में मदद करेगी। चरण 1 की सफलता के आधार पर, जिसमें सात किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) का गठन हुआ और 70,000 क्विंटल से अधिक फसलों का व्यापार हुआ, एएसए ने 30,000 से अधिक किसानों को सब्जी की खेती और कृषि वानिकी जैसी तकनीकों में प्रशिक्षित किया है।

भाषा में ऐप्स को एक्सप्लोर करना पसंद करते हैं

फोनपे के इंडस ऐपस्टोर ने बनाई 10 करोड़ डिवाइस में अपनी जगह

मुंबई, एजेंसी।
भारत के अपने एंड्रॉयड ऐप मार्केटप्लेस, इंडस ऐपस्टोर ने आज एक शानदार उपलब्धि की घोषणा की है - इसने 10 करोड़ से अधिक डिवाइस पर अपनी जगह बना ली है। इसकी सफलता का एक बड़ा कारण इसकी स्थानीय भाषा में होना है, जो यूजर्स को अंग्रेज़ी के साथ-साथ 12 भारतीय भाषाओं में भी ऐप्स खोजने की सुविधा देती है। इसकी सबसे दिलचस्प बात यह है कि इसके 40 प्रतिशत यूजर्स, ऐपस्टोर को किसी ना किसी क्षेत्रीय भाषा में उपयोग करते हैं, जिनमें हिंदी, मराठी, तमिल और गुजराती सबसे पॉपुलर हैं। यह आँकड़ा दर्शाता है कि भारत में भाषाओं का कितना महत्व है और लोग अपनी भाषा में ऐप्स को एक्सप्लोर करना पसंद करते हैं। इंडस ऐपस्टोर के लोकप्रिय होने के पीछे का सबसे बड़ा कारण इंडिया की यंग पॉपुलेशन है। इस ऐपस्टोर पर जेन-जेड (जिनकी उम्र 18-27 के बीच है) ऐप के यूजर बेस 33.7 प्रतिशत है और इसे जेन-वाय (जिनकी उम्र 27-44 के बीच है) के साथ जोड़ दें तो यह आँकड़ा 45 वर्ष के भीतर के यूजर बेस का लगभग 93.5? प्रतिशत है। इंडस ऐपस्टोर के मुख्य यूजर, टियर 3 शहरों में रहने वाला 28 से 44 वर्ष का पुरुष वर्ग है। इसके 70.6 प्रतिशत यूजर टियर 3 क्षेत्रों से आते हैं, जो ग्रामीण और छोटे शहरों में इसकी मजबूत पहुँच को दर्शाता है। इंडस ऐपस्टोर पर कई तरह की ऐप कैटेगरीज़ हैं, जिसमें पूरे देश में सोशल मीडिया ऐप्स की लोकप्रियता नंबर 1 पर है। इनके ठीक बाद, कम्युनिकेशन, एंटरटेनमेंट और फाइनेंशियल ऐप्स का नंबर आता है। इस महत्वपूर्ण क्षण पर, इंडस ऐपस्टोर की चीफ बिजनेस ऑफिसर, प्रिया एम नरसिम्हन जी ने कहा कि- 10 करोड़ का ऐतिहासिक आँकड़ा पार करना हम सभी के लिए एक बेहद गर्व का क्षण है, और भारत के लिए एक हॉरिज़ॉन्टल ऐप स्टोर बनाने की हमारी यात्रा में यह एक महत्वपूर्ण पड़ाव है।

Indus APPSTORE

व्रत में बादाम खाएं: ऋतिका समद्दार

मुंबई, एजेंसी। परंपरा के साथ-साथ, यदि व्रत में सही सामग्री का चयन किया जाए तो यह सेहत का भी सहारा बन सकता है। पोषण से भरपूर साबूदाना और कैलिफ़ोर्निया बादाम जैसे विकल्प नवरात्रि के नौ दिनों में ऊर्जा बनाए रखने, पाचन को सहारा देने और समग्र स्वास्थ्य को बढ़ाने में मदद करते हैं। व्रत को और अधिक सेहतमंद बनाने के लिए, मैक्स हेल्थकेयर की रीजनल हेड - डायटेटिक्स, ऋतिका समद्दार अपने विशेषज्ञ सुझाव साझा करती हैं। वह ऐसे पौष्टिक तत्वों पर ज़ोर देती हैं जो न केवल पारंपरिक व्रत रीति-रिवाजों का सम्मान करते हैं, बल्कि आधुनिक पोषण की आवश्यकताओं से भी मेल खाते हैं। व्रत के लिए सबसे ज़्यादा सुझाए जाने वाले आहारों में बादाम विशेष स्थान रखते हैं। इनमें प्रोटीन, हेल्दी फैट, विटामिन ई और मैग्नीशियम जैसे महत्वपूर्ण पोषक तत्व होते हैं, जो पेट भरे रखने, हृदय की सेहत का ख्याल रखने और ऊर्जा को बढ़ाने में मदद करते हैं।

म्यूचुअल फंड ने संभाल रखा है बाजार

- **20 से 30 फीसदी गिर सकते थे शेयर; 1.40 लाख करोड़ की बिकवाली**

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारतीय शेयर बाजार में पिछले साल अक्तूबर में गिरावट का दौर आया, जिसका असर अब तक देखा जा रहा है। चुनिंदा मौकों को छोड़कर अब भी बाजार में अधिकांश समय उठा-पटक ही बनी हुई है। 2025 के बाकी बचे महीनों में भी यह जारी रह सकता है।

वैश्विक ब्रोकरेज फर्म जेफरीज के इक्विटी स्ट्रैटेजी के ग्लोबल हेड क्रिस्टोफर वुड का कहना है कि भारतीय शेयर बाजार का एशिया के दूसरे बाजारों की तुलना में खराब प्रदर्शन घरेलू कंपनियों के शेयरों की महंगे वैल्यूएशन के कारण रहा है। इसके चलते 2025 के बाकी समय में अच्छा कंसॉलिडेशन जारी रह सकता है।

ग्रीड एंड फियर रिपोर्ट के लेखक क्रिस वुड ने कहा कि म्यूचुअल फंड कंपनियां भारतीय शेयरों में भारी निवेश कर रही हैं, जिसके चलते भारतीय बाजार संभला हुआ है। म्यूचुअल फंड निवेश के बगैर, इस साल विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली के कारण शेयर की कीमतें 20 से 30 फीसदी और कम हो सकती थीं।

1.40 लाख करोड़ की बिकवाली

नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक इस साल अब तक भारतीय शेयरों से शुद्ध रूप से 1,40,394 करोड़ रुपये की निकासी कर चुके हैं। इस साल 6 महीने विदेशी निवेशकों ने बिकवाली की है। सितंबर में अब तक विदेशी निवेशक 9,759 करोड़ रुपये के शेयर बेच चुके हैं। जुलाई और अगस्त में उन्होंने क्रमशः 17,741 करोड़ और 34,993 करोड़ शेयर के शेयरों की शुद्ध बिकवाली थी।

अमीषा पटेल ने खोले बॉलीवुड इंडस्ट्री के राज

अमीषा पटेल ने बॉलीवुड इंडस्ट्री के बारे में बताया कि कई लोग ऐसे हैं, जो उन्हें पसंद नहीं करते क्योंकि वह उनकी चापलूसी नहीं करती हैं। साथ ही शराब और सिगरेट नहीं पीती हैं। उन्होंने बताया कि कई सेलेब्स के सोशल मीडिया पर फॉलोवर्स पैसे देकर खरीदे गए हैं।

अमीषा पटेल का इनसाइडर्स पर गुस्सा फूटा। एक्ट्रेस अमीषा पटेल बेबाकी से अपनी बात रखती हैं। वह जिस फिल्म में काम करती हैं, उसके भी डायरेक्टर-प्रोड्यूसर की गलती बताने में पीछे ू में बॉलीवुड इंडस्ट्री के बारे में अपनी राय रखी हैं। कहो ना... प्यार है की सफलता के बावजूद, उन्हें उस तरह का फेम नहीं मिला, जिसकी वह हकदार रहीं। उन्होंने बताया कि इंडस्ट्री में कई ऐसे लोग हैं, जो उन्हें पसंद नहीं करते हैं। अमीषा पटेल ने बातचीत में कहा, दर्शकों का प्यार मैटर करता है। चाहे आप किसी भी कैंप का हिस्सा हों। हां क्योंकि मैं किसी खास सर्कल में फिट नहीं बैठती और न शराब पीती और न स्मोक करती हूं और न ही काम के लिए चापलूसी करती हूं, जो भी कमाया है वो अपनी काबिलियत के आधार पर ही हासिल किया है। इसके कारण कुछ लोग मुझे पसंद नहीं करते हैं। मैं किसी के आगे पीछे नहीं घूमती।

अमीषा पटेल ने खुद को बताया आउटसाइडर

अमीषा पटेल ने आगे कहा कि खुद को आउटसाइडर कहा और बताया कि उनके लिए कितना चैलेंजिंग रहा, आपके लिए इंडस्ट्री में तब और मुश्किल होती है, जब यहां से आपका कोई बॉयफ्रेंड या फिर पति न हो। बिना खुद को पावर कपल के रूप में पेश करने पर भी मुश्किल हो जाता है। दूसरों से कम सपोर्ट मिलता है। उनके पास भी आपको सपोर्ट करने के लिए कोई खास वजह नहीं है क्योंकि आप एक आउटसाइडर हैं।

अमीषा का अकाउंट है रियल

एक्ट्रेस ने बताया, मेरा इंस्टा और ट्विटर अकाउंट रियल है। मैं कभी कोई फोटोशूट नहीं पोस्ट करती। अपनी फोटो जैसी होती है, वैसी ही अपलोड करी हूं। मेरी तस्वीरों में परफेक्ट कंपोजिशन, कैप्शन और फॉन्ट सही नहीं होता। मैं चाहती हूं कि मैं जैसी हूं, वैसी ही दिखूं।

सेलेब्स ने पैसे देकर खरीदे फॉलोवर्स

एक्ट्रेस ने आगे बताया कि 90 फीसदी सेलिब्रिटीज के सोशल मीडिया फॉलोवर्स खरीदे हुए होते हैं। एजेंसियां लोगों से कॉन्टैक्ट करती है और एक मोटा पैसा मांगती है। साथ ही उसके बदले वह उन्हें लाखों फॉलोवर्स देने का वादा करती है। हम सभी से उस एजेंसी ने कॉन्टैक्ट किया है। कई सेलिब्रिटी सोशल मीडिया अकाउंट्स के फॉलोवर्स का एक बड़ा हिस्सा पेड है। ये रियल फॉलोवर्स नहीं हैं। मुझसे कई बार पैसे मांगे गए लेकिन हमेशा मैंने मना किया। मुझे अपने असली फैंस पसंद हैं। मैं नहीं चाहती कि लोग मुझे इसलिए फॉलो करें क्योंकि मैंने इसके लिए पैसे दिए हैं।

कैसे बने कॉलेज में लेक्चरार

एक अच्छा शिक्षक ही सम्पूर्ण देश के भविष्य का निर्माण करता है, आपको बता दे की शिक्षा से ही हमें जीवन में सफलता मिलती है आवर देश में शिक्षा का स्तर जितना अच्छा होगा वह देश उतना ही विकसित होगा, भारत में शिक्षक का पद बहुत ही सम्मानजनक पद होता है, एक अच्छा शिक्षक बनने के लिए व्यक्ति में व्यक्तिगत गुण होने चाहिए, इन व्यक्तिगत गुणों को अच्छे से प्रशिक्षण के द्वारा विकसित किया जाता है, भारत सरकार शिक्षा व्यवस्था में बेसिक स्तर से कॉलेज स्तर तक बदलाव कर रही है, इसी परिवर्तन के द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) का पुनर्गठन किया जा रहा है, अगर आप कॉलेज में लेक्चरर बनने के विषय में पूरी जानकारी प्राप्त करना चाहते है तो पढ़ें।

प्रमोशन के अवसर

कॉलेज प्रोफेसर एक प्रोन्नति प्राप्त करने वाला पद होता है, आपको बता दे की इस पद के लिए सीधे चयन नहीं किया जा सकता है, इसके लिए आपके पास पीएचडी डिग्री के साथ सभी आवश्यक अनुभव होना आवश्यक है, अगर आप एक प्रोफेशर बनाना चाहते है, तो आपको इस क्षेत्र में लेक्चरार के रूप में अपने करियर की शुरुआत करनी आवश्यक होती है, इसके पश्चात आपका प्रोमोशन अनुभव, प्रदर्शन और वरिष्ठता के आधार पर आपको पहले असिस्टेंट प्रोफेसर और बाद में प्रोफेसर के पद पर नियुक्ति प्रदान की जाती है.

सैलरी

एक कॉलेज प्रोफेसर के रूप में 37,400-67,000 रुपये प्राप्त होता है.

कार्य अनुभव

किसी कॉलेज/ यूनिवर्सिटी में न्यूनतम 10 वर्ष तक पढ़ाने का अनुभव होना चाहिए।

असिस्टेंट प्रोफेसर

शैक्षिक योग्यता – पीएचडी डिग्री तथा 55 प्रतिशत अंकों सहित परस्नातक उत्तीर्ण होना चाहिए।
सैलरी – असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में 15,600-39,100 ग्रेड पे प्राप्त होता है.
कार्य अनुभव – कॉलेज/ यूनिवर्सिटी स्तर पर न्यूनतम 8 वर्ष का शिक्षण अनुभव या रिसर्च का अनुभव होना चाहिए।

लेक्चरार/ जूनियर फैलो रिसर्चर

शैक्षिक योग्यता – लेक्चरार/ जूनियर फैलो रिसर्चर बनने के लिए यूजीसी नेट परीक्षा उत्तीर्ण करना आवश्यक होता है.

कॉलेज टीचर बनने की प्रक्रिया

अगर आप कॉलेज टीचर बनना चाहते है, तो आपको 12वीं की परीक्षा के समय ही फैसला लेना चाहिए, ताकि आप इस दिशा में अपनी तैयारी को अच्छे से कर सके.

स्कूल स्तर पर

कॉलेज में जो भी विषय के आप प्रोफ़ेसर बनना चाहते है आपको उसी के अनुसार इंटरमीडिएट में विषय का चुनाव करना चाहिए, उस विषय के बेसिक कंसेप्ट को अच्छे से क्लियर करने का अधिक से अधिक प्रयास करे, जिससे स्नातक में आपको लाभ मिल सके.

स्नातक स्तर पर

आपको अच्छी तैयारी के लिए स्नातक में आपको वही विषय लेने चाहिए जो विषय आपने इंटरमीडिएट में पहले लिया था इससे आपको उस विषय की अच्छी जानकारी हो जाएगी और परास्नातक में आपको बहुत फायदा होगा, उन विषयों पर पकड़ आपकी इंटरमीडिएट से ही होने के कारण आपको स्नातक में अच्छे अंक प्राप्त हो सकेंगे। यह अंक आपको कॉलेज प्रोफेसर के रूप में स्क्रीनिंग प्रोसेस में बहुत ही लाभकारी सिद्ध होंगे।

परास्नातक स्तर पर

परास्नातक में आपको उस विषय का चयन करना चाहिए जिस विषय पर आपकी पकड़ सबसे अच्छी हो, और आपको रूचि अधिक हो क्योंकि यूजीसी नेट परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए आपको परास्नातक में कम से कम 55 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य है, अतः आपका लक्ष्य इससे अधिक अंक प्राप्त करने का होना आवश्यक है.

परास्नातक के बाद

परास्नातक पास करनें के बाद आपको यूजीसी नेट परीक्षा की तैयारी शुरू कर देनी चाहिए और इसके साथ ही आप एमफिल अथवा पीएचडी डिग्री के लिए अपने विषय में रिसर्च करने के लिए आवेदन कर सकते है, यहाँ पर इस बात का ध्यान रखना चाहिए की कॉलेज टीचर के रूप में चयनित होने के लिए यूजीसी नेट क्लियर करना जरुरी है, किन्तु आपको अपने विषय में डॉक्टरेट होना भी अत्यंत लाभदायक होता है, यदि आपका लेक्चरार या असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में चयन हो जाता है, तो आपको प्रोफेसर पद पर प्रमोशन प्राप्त करने के लिए पीएचडी डिग्री का होना अनिवार्य है, इसलिए आपको नेट की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद पीएचडी डिग्री करना बहुत ही आवश्यक है.

यूजीसी नेट परीक्षा

यूजीसी नेट का अर्थ है विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की नेशनल एलिजिबिलिटी टेस्ट, इस परीक्षा का आयोजन राष्ट्रीय स्तर पर किया जाता है, इस परीक्षा को सफलता पूर्वक पास करने के बाद सरकारी कॉलेजों में नियुक्ति के लिए यूजीसी के द्वारा स्क्रीनिंग की जाती है, इस परीक्षा का आयोजन वर्ष में दो बार जून तथा दिसंबर में किया जाता है, इसके माध्यम से लेक्चरारशिप तथा जूनियर रिसर्च फैलोशिप के लिए अभ्यर्थियों की स्क्रीनिंग की जाती है.

आयु सीमा

लेक्चरार पद के लिए कोई आयु निर्धारित नहीं की गयी है, परन्तु जूनियर रिसर्च फैलोशिप के लिए अभ्यर्थी के लिए आयु 21 से 28 वर्ष के बीच में होनी चाहिए, एससी/ एसटी/ ओबीसी अभ्यर्थियों को आरक्षण के नियमानुसार छूट प्रदान की जाती है.

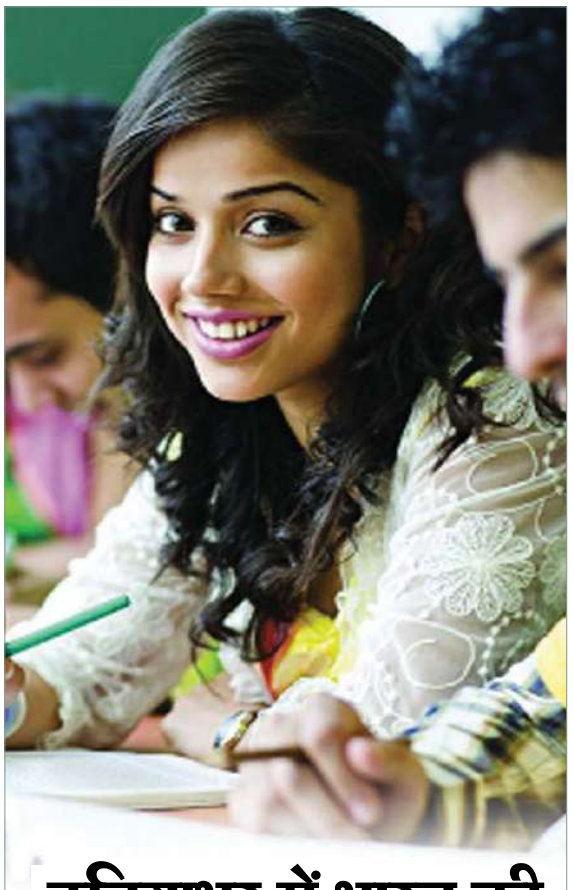

दुनियाभर में भारत की नर्सों की बढ़ी डिमांड

भर-भर कर मिल रही जॉब और सैलरी

भारतीय नर्सों की डिमांड दुनियाभर में बढ़ रही है। भारत के मुकाबले नर्सों को यूरोप और अमेरिका जैसे देशों में लाखों रुपये महीने सैलरी मिल रही है। नर्सों की सबसे ज्यादा कमी विकसित देशों में देखी जा रही है।

भारतीय नर्सों की डिमांड दुनियाभर में बढ़ रही है। भारत के मुकाबले नर्सों को यूरोप और अमेरिका जैसे देशों में लाखों रुपये महीने सैलरी मिल रही है। नर्सों की सबसे ज्यादा कमी विकसित देशों में देखी जा रही है। बता दें कि पिछले साल 70 हजार से 1 लाख भारतीय नर्सें विदेश गई हैं। वहीं इस साल उनकी डिमांड 15-30% बढ़ने वाली है। एक्सपर्ट की मानें, तो आने वाले सालों में नर्सों की डिमांड बढ़ने वाली है। क्योंकि बूढ़ी होने वाली आबादी के कारण कई देश देखभाल के लिए नर्स चाहते हैं। इटली, जर्मनी और जापान जैसे देशों में बड़ी संख्या में नर्सों की भर्ती की जा रही है। वहीं ब्रिटेन, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा जैसे देशों में भी नर्सों की नौकरियों की भरमार है। वहीं नर्सों को नौकरी देने वाले देशों में कतर, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब आदि शामिल हैं। यह नर्स बनने के लिए सबसे अच्छा समय माना जा रहा है। दुनियाभर में करीब 6,40,000 के करीब नर्सें काम कर रही हैं।

नर्सों की कमी

एक्सपर्ट की मानें, तो भारतीय नर्सों की मांग विदेशों में काफी बढ़ी है। महीने दर महीने 20-30त्न भारतीय नर्सों की मांग में वृद्धि हुई है। यह दिखाता है कि एक साल में नर्सों की डिमांड दोगुना हो सकती है। दुनियाभर में नर्सिंग प्रोफेशनल्स की कमी है। ङ्घ।ह्र के अनुसार, साल 2030 तक 45 लाख नर्सों की जरूरत होगी। वहीं सबसे ज्यादा भारतीय नर्सों को हायर विकसित देश कर रहे हैं।

विदेश में मिल रही अच्छी सैलरी

क्वालिफाइड नर्सों के लिए विदेश में नौकरी पाना काफी आसान है। क्योंकि विदेश में उनको अच्छी सैलरी मिल रही है, साथ ही बढ़िया क्वालिटी ऑफ लाइफ, सिक्योरिटी और प्रोफेशनल ग्रोथ भी मिल रहा है। भारत की तुलना में विदेशों में भारतीय नर्सों को औसतन सात से दस गुना अधिक सैलरी मिलती है। वहीं पर्चेचिंग पावर पैरिटी के आधार पर भारत की तुलना में विदेश में मिलने वाली सैलरी तीन से पांच गुना ज्यादा है।

मेकअप व हेयर आर्ट शो में दिखा नई लाइफस्टाइल व ट्रेंड

राजेश धाकड़

इंदौर। देश की ब्यूटी इंडस्ट्री को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शहर में दो दिवसीय नेशनल आर्टिस्ट चैंपियनशिप का भव्य आयोजन किया गया। फीनिक्स सीटाडेल मॉल में आयोजित इस इवेंट में पहले दिन मुंबई और दिल्ली से आए सेलिब्रिटी हेयर व मेकअप आर्टिस्टों ने लाइव वर्कशॉप्स कीं। साथ ही शहर के आर्टिस्टों के बीच हेयर कट

प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, नेशनल आर्टिस्ट चैंपियनशिप जिसमें मेंस हेयर कट और स्टाइलिंग में यश परमार ने प्रथम स्थान प्राप्त कर विनर का खिताब जीता । ओर वुमन हेयर कट कलर स्टाइलिंग में हिमांशु परमार ने विनर का खिताब जीता। आयोजन की ऑर्गनाइजर उन्नति सिंह ने बताया कि इंदौर और मध्यप्रदेश में युवा कलाकारों में अपार प्रतिभा है। ऐसे टैलेंट को राष्ट्रीय स्तर पर मंच देने के उद्देश्य से यह आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि यहाँ के कई आर्टिस्ट देशभर में अपनी अलग पहचान बना रहे हैं। पहले दिन सेलिब्रिटी आर्टिस्ट एंड्रिच एकेडमी आशा हरिहरन, श्याम भाटिया, निकिशा भाटिया, उदय टाके, अथर्व टाके, मिलिंद भाटिया और टोनी एंड गाए ने मॉडल्स पर हेयर व मेकअप का शानदार प्रदर्शन किया। वहीं हेयर आर्टिस्ट भास्कर सैकिया ने अपना हेयर शो प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम की सबसे खास प्रस्तुति रही आर्टिस्ट सीमा वी. जयराजानी का हेयर आर्ट शो, जिसे डीसी ज्वेलर्स की ज्वेलरी कलेक्शन के साथ पेश किया गया। इस अनोखे संगम को दर्शकों ने खूब सराहा। इस मौके पर कमलेश सेन को श्री नंदकिशोर वर्मा सम्मान से सम्मानित किया गया। शो में टीवी सेलिब्रिटी 'अनुपमा' फेम चांदनी भगवनानी, श्रेशा तिवारी और प्रांजलि सिंह ने भी रैंप वॉक कर माहौल को खास बना दिया। इवेंट में शहर के मेकअप और हेयर आर्टिस्टों के साथ इंडस्ट्री के कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। आयोजन के दूसरे दिन, 17 सितम्बर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन अभिनेत्री हेमा मालिनी के हाथों केक काटकर मनाया जाएगा। कार्यक्रम की शुरुआत इंदौर में हाल ही में हुए हादसे में जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि अर्पित कर की जाएगी।

इंदौर शहर के रीगल चौराहे पर गांधी प्रतिमा पर दिवंगत की आत्म की शांति के लिए दी श्रद्धांजलि

शाम 7 बजे केंडल लाईट के सड़क दुघर्टना में ट्रक ड्राइवर की लापरवाही और पुलिस प्रशासन की नाकामियों के वजय से बहुत लोगो की जानें चली गई है।आज भी अरविन्दों हास्पिटल इन्दौर में अभी घायल व्यक्ति की मौत हो गई है। जिसकी आत्मा की शान्ति हेतु श्रद्धांजलि अर्पित की गयी है। राष्ट्रीय मानव अधिकार संगठन इन्दौर संभाग के संभागीय अध्यक्ष शम्भु नाथ मिश्रा जी व जिला अध्यक्ष श्री शैलेष त्रिपाठी जी, संभागीय संयुक्त सचिव श्री मुकेश दुबे जी, महासचिव श्री विकास जोशी जी, श्री सुरेश पाठक जी, शिवाकांत मिश्रा जी, सह सचिव श्री शुभम मिश्रा जी, संरक्षक श्री राजीव शर्मा जी, श्री अवधेश शुक्ला जी, श्री राजकुमार पाण्डेय जी, श्री राजेश विजयवर्गीय जी, श्री मोहनलाल यादव जी। मोहन कुमार मिश्रा जी, अजय मालवीय जी, बाबूलाल अकोदे जी, राजेंद्र यादव जी, हीरालाल अंजना जी, गोविंद कुश्ती जी, राज सिंह जी, ज्योति भागवत जी, जितेन सिंह भाटिया जी, आशीष आर्य जी, संतोष कुमार आर्य जी,जोशी जी, किरण सिकरवार जी, गीता मिश्रा जी, राजीव शर्मा जी, सरिता तिवारी जी, राजा तिवारी जी, सोनाली सोनार जी, अवधेश पांडे जी, अवधेश शुक्ला जी, सुधीर सेठिया जी, मंथन प्रजापति जी, जितेंद्र कुमार महतो जी, विवेक पाटीदार जी, सुरेश पाठक जी, राजेंद्र नायक जी, दीनदयाल शर्मा जी, अशोक तंवर जी, मोहन कुमार मिश्रा जी, जितेंद्र कुमार महतो जी, ऋषि अखंड जी, अशोक यादव जी, मनोज कुमार त्रिवेदी जी, दीपिका मिश्रा जी, संजय शर्मा जी, महेंद्र ताड़ी जी, गीता मेश्राम जी, जगदीश मालवी जी, राधेश्याम मेहता जी, नवीन गावडे जी,संजय पंडित जी, योगेंद्र कुमार जोशी जी, दीनदयाल शर्मा जी, निश्चल जोशी जी, अशोक कुमार भैया जी, विवेक पाटीदार जी, राजेश जैन जी, उदयलाल बरफा जी, आलम सिंह तोमर जी, आदित्य सोनी जी, मनीष कुमार सोनी जी, कन्हैया पाल जी, श्री सुनील बेचारी जी, श्री जयदीप बिरसारे जी, श्रीमती तृप्ति बैरागी जी, श्री नरेंद्र तिवारी जी, श्री हिमांशु यादव जी, श्री विजय शंकर मिश्रा जी, श्री कमल सिंह चौहान जी, श्रीमती सोनाली सोनार जी, श्री आर पांडे जी, श्री संजय मिश्रा जी, श्री विनोद तिवारी जी, श्री दिव्यांश सक्सेना जी, आदि संगठन के पदाधिकारियों ने मानव श्रृंखला बनाकर मानवीय मूल्यों को स्थापित करने हेतु और मृतक आत्मा को शांति प्रदान करने हेतु शान्ति पाठ महात्मा गांधी जी की मूर्ति के सामने केंडल लाईट कर से प्रार्थना सामूहिक की गयी है। रीगल चौराहे पर गांधी प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित मृतक आत्मा की शान्ति हेतु श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। इसमें सभी पदाधिकारियों ने इन्दौर के लिए पुनः ऐसी पुनरावृत्ति न हो ईश्वर से प्रार्थना की गयी है।

दैनिक रणजीत टाइम्स
जिला एवं तहसील स्तर पर
एजेंसी देना है
अपना बायोडाटा सम्पूर्ण विवरण के साथ हमें प्रेषित करें।
सम्पर्क करें
8224951278 :: 9827068888

जन्मदिन की अग्रिम शुभ सूचना
"रंजीत टाइम्स" में अब आप अपने या अपने प्रियजनों का जन्मदिन एक दिन पहले ही निशुल्क प्रकाशित करवा सकते हैं!
बस हमें भेजिएः 1 जन्मदिन मनाने वाले की फोटो
2 उसका पूरा नाम- 3 बधाई देने वाले का नाम जन्मदिन के एक दिन पहले ही विज्ञापन भेज दें, ताकि समय रहते प्रकाशित किया जा सके।
भेजने का नंबर (Aditya): 8224951278
रंजीत टाइम्स में आपका विज्ञापन पूरी तरह मुफ्त प्रकाशित किया जाएगा!
अपने जज़बातों को शब्द दें – सिर्फ रंजीत टाइम्स के साथ।
टीम रंजीत टाइम्स- "आपका अपना अख़बार, आपकी आवाज़"
रणजीत टाइम्स

हर दुकान पर बोर्ड हो

गर्व से कहो-ये स्वदेशी है

● धार में पीएम मोदी बोले-वही खरीदें जिसमें देशवासी का पसीना हो ● कहा-भारतीय सामान खरीदकर जीएसटी कटौती का फायदा उठाएं ● पीएम मोदी ने कहा- ये नया भारत है,परमाणु धमकी से नहीं डरता

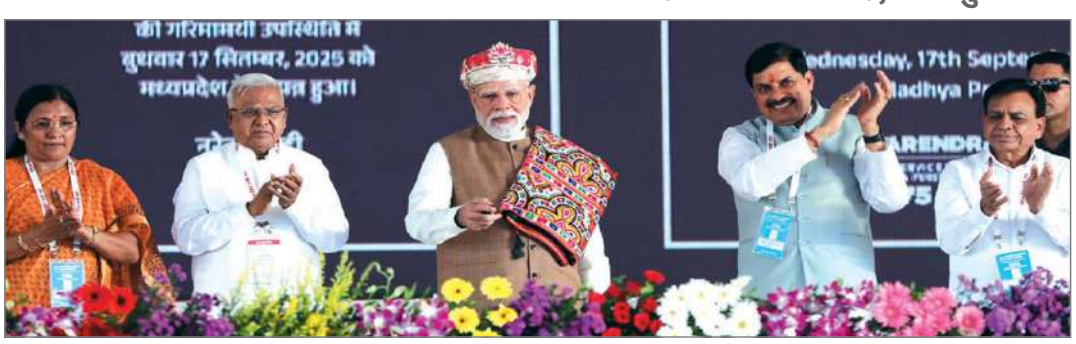

धार (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने 75वें जन्मदिन पर बुधवार को मध्यप्रदेश के धार में कहा, ये नया भारत है। ये परमाणु धमकी से नहीं डरता। हम घर में घुसकर मारते हैं। ऑपरेशन सिंदूर में हमारे जवानों ने पाकिस्तान को घुटनों पर ला दिया। पीएम मोदी ने स्वदेशी चीजें खरीदने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि आप जो भी खरीदें, वो देश में ही बना होना चाहिए। उसमें पसीना किसी देशवासी का होना चाहिए। आप जो भी बेचें, वह देश में ही बना होना चाहिए। पीएम मोदी ने कहा कि हर दुकान पर बोर्ड हो- गर्व से कहो- ये स्वदेशी है। मोदी ने लोगों से नारा लगवाया कि- गर्व से कहो, ये स्वदेशी है। पीएम ने बदनावर तहसील के भैंसोला गांव में पीएम मित्र पार्क की आधारशिला रखी। यहां खुली जीप में लोगों का अभिवादन किया। साथ ही राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा के लिए सिंगल क्लिक पर राशि ट्रांसफर की। पीएम ने कहा- मेरा हमेशा प्रयास रहा है कि माताओं-बहनों का जीवन आसान बनाऊं, उनकी मुश्किलें कम करूं। स्वच्छ भारत योजना के तहत शौचालय, उज्जवला गैस कनेक्शन, जल जीवन मिशन, आयुष्मान योजनाज इन सभी ने माताओं-बहनों के जीवन की मुश्किलें कम की।

मोदी बोले-गरीब को केंद्र में रखकर योजनाएं बना रहे

पीएम ने कहा, हमारी सरकार का जोर बहनों-बेटियों को सशक्त करने पर है। करोड़ों बहनें मुद्रा लोन लेकर नए उद्योग लगा रही हैं। सरकार 3 करोड़ ग्रामीण बहनों को लखपति दीदी बनाने के अभियान में जुटी है। इतने कम समय में करीब 2 करोड़ बहनें लखपति दीदी बन चुकी हैं। पिछले 11 साल में गरीब कल्याण, गरीब की सेवा और उसके जीवन में बेहतरी यही सबसे बड़ी प्राथमिकता रही है। गरीब की सेवा कभी बेकार नहीं जाती। गरीब को थोड़ा सहारा मिल जाए, वह समुंदर पार कर जाता है। गरीब की पीड़ा मेरी अपनी पीड़ा है। पीएम ने कहा , हमने प्रधानमंत्री मातृवंदना योजना के तहत साढ़े 4 करोड़ गर्भवती महिलाओं को इसका फायदा मिल चुका है। 19 हजार करोड़ से ज्यादा राशि मांओं-बहनों के खाते में पहुंच चुकी है। अभी 15 लाख से ज्यादा महिलाओं को मदद भेज दी गई है। 4 करोड़ से ज्यादा रुपए उनके खाते में जमा हो गए हैं।

● **पीएम बोले- दुनिया के बाजार में मेरे धार का नाम भी चमकेगा-** पीएम ने कहा- धार के पीएम मित्र पार्क में बुनाई के लिए जरूरी सामान जैसे कपास और रेशम आसानी से उपलब्ध होगा, क्वालिटी चेक आसान होगी, मार्केट तक पहुंच बढ़ेगी, यहां स्पीनिंग होगी, प्रोसेसिंग होगी और यहीं से निर्यात होगा। दुनिया के बाजार में मेरे धार का नाम भी चमकेगा। हमारी सरकार 5 एफ विजन पर काम कर रही है। पीएम ने कहा, जब 22 सितंबर (नवरात्रि के पहले दिन) से जीएसटी की दरें कम हो रही हैं, तब स्वदेशी चीजें खरीदकर इसका फायदा उठाना है। हर दुकान पर बोर्ड हो- गर्व से कहो- ये स्वदेशी है। उन्होंने लोगों से नारा लगवाया कि- गर्व से कहो, ये स्वदेशी है।

● **देश में बना सामान खरीदें, ये विकसित भारत के लिए जरूरी-** पीएम ने कहा आप जो भी खरीदें, वो देश में ही बना होना चाहिए। उसमें पसीना किसी देशवासी का होना चाहिए। आप भी देश के लिए मेरी मदद कीजिए। मुझे 2047 विकसित भारत बनाकर रहना है। उसका रास्ता आत्मनिर्भर भारत से जाता है। आप जो भी बेचें, वह देश में ही बना होना चाहिए। महात्मा गांधी ने स्वदेशी को आजादी का आंदोलन बनाया था। हमें इसे विकसित भारत के लिए जरूरी बनाना है।

नए साल में भोपाल में दौड़ेंगी 100 ई-बसें

● अभी 368 में से 95 बस ही चल रही, कई रूटों पर बंद

भोपाल। राजधानी भोपाल में पब्लिक ट्रांसपोर्ट व्यवस्था बुरे हाल में है। पिछले एक साल में ढाई सौ से ज्यादा सिटी बसें बंद हो गईं। वर्तमान में 10 से ज्यादा रूटों पर सिटी बसें दौड़ती नजर नहीं आ रही हैं। ऐसे में अब ई-बसों को जल्दी चलाए जाने को लेकर कवायद तेज हो गई है। नगर निगम का दावा है कि नए साल में शहर में 100 ई-बसें दौड़ने लगेंगी। इसके बाद आम लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। पीएम ई-बस सेवा के फेस-1 में 100 बसें मिलेंगी। इसके लिए दो नए डिपो संत हिरदाराम नगर (बैरागढ़) और कस्तूरबा नगर में बनाए जा रहे हैं। नए बस ऑपरेटर का चयन भी हो चुका है। वहीं, दूसरे फेस में 95 बसें आएंगी। आरिफ नगर और कोलार रोड पर नए डिपो बनेंगे। इसके ऑपरेटर के चयन समेत अन्य प्रक्रिया बाकी है। बता दें कि मंगलवार को हुई जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में सिटी बसों का मुद्दा भी उठा था। 368 में से सिर्फ 95 सिटी बसें चलने पर सांसद आलोक शर्मा ने भी हैरानी जताई। सांसद शर्मा ने निगम कमिश्नर हरेंद्र नारायण से पूछा था कि किस ऑपरेटर की कितनी बसें चल रही हैं, ये बताएं।

जन्मदिन पर पीएम मोदी की बायोपिक 'मां वंदे' का ऐलान

● फिल्म 'मार्को' के एक्टर उन्नी मुकुंदन निभाएंगे पीएम का रोल

तिरुअनंतपुरम (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के मौके पर प्रोडक्शन हाउस सिल्वर कास्ट क्रिएशंस ने नई फिल्म का ऐलान किया है। फिल्म का नाम 'मां वंदे' रखा गया है। इसे वीर रेड्डी एम प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रोल मलयालम एक्टर उन्नी मुकुंदन निभाएंगे। जिन्होंने 'मार्को' जैसी फिल्म में काम किया है। वहीं, फिल्म का डायरेक्शन क्रांति कुमार करेंगे। बता दें कि यह फिल्म पीएम मोदी की जीवन यात्रा पर आधारित होगी। इसमें उनके बचपन से लेकर देश के प्रधानमंत्री बनने तक का सफर दिखाया जाएगा। फिल्म में मोदी और उनकी मां हीराबेन मोदी के बीच के रिश्ते को भी दिखाया जाएगा। फिल्म की टीम इसे बड़े पैमाने पर बना रही है। इसमें एडवांस और बेहतरीन टेक्नीशियंस काम करेंगे।

पराली जलाने वालों को गिरफ्तार क्यों नहीं करते?

● पराली जलाने वाले किसानों पर भड़का सुप्रीम कोर्ट, कह दी बड़ी बात

एससी ने कहा- जुर्माना नाकाफी, किसानों को जवाबदेह बनाना जरूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पराली जलाए जाने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। हर साल दिल्ली-एनसीआर में सर्दियों की शुरुआत से पहले ही प्रदूषण का लेवल बढ़ जाता है। इसकी एक वजह पराली जलाना भी है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मसले पर कहा कि कुछ किसानों को जेल भेजने से दूसरों को सबक मिलेगा और इस आदत पर लगाम लगेगी। सुप्रीम कोर्ट में चीफ जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने इस मामले में नाराजगी जताई। सुप्रीम कोर्ट में एमिकस क्यूरी अपराजिता सिंह ने बताया कि किसानों को पराली जलाने से रोकने के लिए सब्सिडी के साथ ही मशीनें भी दी गई हैं लेकिन किसान बहाना बनाते हैं। कुछ किसान कहते हैं कि उन्हें ऐसी जगह पराली जलाए जाने के लिए कहा जाता है कि जहां सैटेलाइट नजर नहीं रखता। कई किसान लाचारी दिखाते हैं। कोर्ट में

चीफ जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने इस मामले में गहरी नाराजगी जताई है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर सुनवाई के दौरान कहा कि कुछ लोगों को जेल भेजने से सही संदेश जाएगा। यह देखते हुए कि किसानों का योगदान सभी को भोजन उपलब्ध कराना है, भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने तर्क दिया कि इसका मतलब यह नहीं है कि पर्यावरण की रक्षा नहीं की जा सकती। अगर कुछ लोग सलाखों के पीछे जाएंगे तो इससे सही संदेश जाएगा। आप किसानों के लिए कुछ दंडात्मक प्रावधानों के बारे में क्यों नहीं सोचते... अगर आपका पर्यावरण संरक्षण का सच्चा इरादा है तो फिर पीछे क्यों हट रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी पंजाब राज्य का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता राहुल मेहरा पर केंद्रित थी। पराली जलाने वाले किसानों को मिनिमम सपोर्ट प्राइस सिस्टम के लाभ से बाहर रखा जाना चाहिए, क्योंकि यदि कोई किसान कानून तोड़कर पराली जलाता है, तो उसे आर्थिक रूप से भी सजा देनी चाहिए, सिर्फ जुर्माना भरना या चेतावनी देना काफी नहीं है। राज्य सरकारों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि किसानों को पराली प्रबंधन की मशीनरी दी जाए और उनको बेहतर विकल्प दिए जाएं।

पीएम मोदी का 75 वां जन्मदिन, राहुल गांधी ने दी बधाई

बीजेपी ने शुरू किया सेवा पखवाड़ा, राजनाथ और शाह ने सुनाई मोदी स्टोरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बुधवार को 75वां जन्मदिन था। मोदी को उनके जन्मदिन पर दुनिया भर से बधाई मिल रही है। कांग्रेस रायबरेली सांसद राहुल गांधी ने भी एक्स पर एक पोस्ट के जरिए पीएम को जन्मदिन और बेहतर स्वास्थ्य की शुभकामनाएं दीं। बीजेपी ने भी मोदी की कहानी के शॉर्ट वीडियो शेयर किए हैं। इसे मोदी स्टोरी नाम दिया है। वीडियो में चाय का गिलास और मोदी स्टोरी लिखा है। राजनाथ सिंह, अमित शाह, जेपी नड्डा समेत कई सीनियर नेताओं ने पीएम से जुड़े किस्से सुनाए हैं। भाजपा ने देशभर में दो हफ्ते का सेवा पखवाड़ा शुरू किया है। इस दौरान कई राज्यों में 'नमो युवा रन' और रक्तदान शिविर आयोजित किए जाने हैं। बिहार भाजपा, राज्य में 50 हजार जगहों पर पीएम मोदी पर बनी शॉर्ट फिल्म दिखाएगी।

पुतिन, ट्रंप, नेतन्याहू से लेकर मेलोनी तक, सबने दी बधाई

इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी ने एक्स पर लिखा कि भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 75वें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। उनकी शक्ति, उनका दृढ़ संकल्प और लाखों लोगों का नेतृत्व करने की उनकी क्षमता प्रेरणा का स्रोत है। मित्रता और सम्मान के साथ, मैं उनके स्वास्थ्य और ऊर्जा की कामना करती हूं ताकि वे भारत को एक उज्ज्वल भविष्य की ओर ले जा सकें और हमारे राष्ट्रों के बीच संबंधों को और मजबूत कर सकें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को फोन किया। उन्होंने उनके 75वें जन्मदिन से पहले उन्हें शुभकामनाएं दीं, जिससे द्विपक्षीय संबंधों में सुधार की उम्मीद जगी है। ट्रंप ने कहा कि मोदी बहुत अच्छा काम कर रहे हैं और उन्होंने यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने में प्रधानमंत्री के सहयोग के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनके 75वें जन्मदिन पर बधाई दी।